

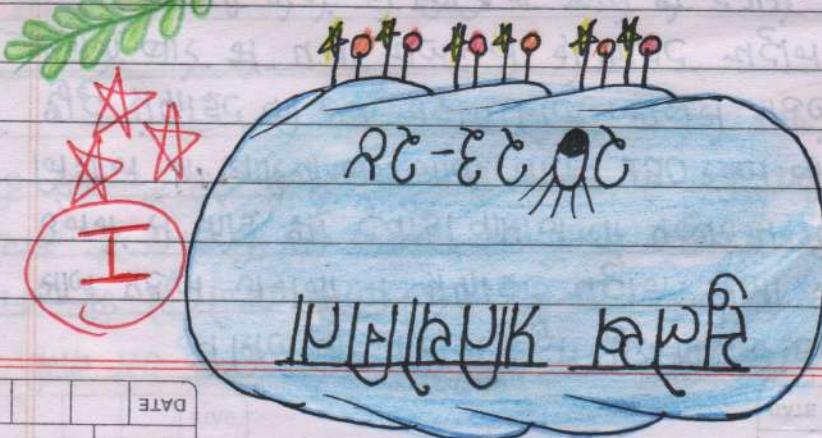
ପ୍ରକାଶନ କମିଶନ୍ ଦ୍ୱାରା ମୁଦ୍ରଣ କରାଯାଇଥାଏ ।

20

ପ୍ରାଚୀନ ଶବ୍ଦ



$$\begin{array}{r} \cancel{11110} - 10212 \\ \cancel{1} - 10111 + 10 \cancel{0110} \\ 10110 - 11240 \\ 10110 - 10110 \\ \hline 10000 \end{array}$$



पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है, लगभग छह सौ साल पहले जर्मनी में ग्रेफाइट चट्टानें मिली थीं, अब यदि उनमें से कोई भी टुकड़ा कासाज या पत्थर पर लिखा होता, तो निशान या धारियों बन जातीं; करीब 150 साल बाद इंग्लैंड में थुंडर ग्रेफाइट की एक चट्टान मिली, सबसे पहले यरवाहों को उनके बारे में पता चला, वे ग्रेफाइट चट्टान का एक टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ों को चिह्नित करते थे, इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान की गई, फ्रांस के निकोलस जेटकांटे और ऑस्ट्रेलिया के जोसेफ हड्डथरमुथ पेंसिल बनाने में सफल होने वाले पहले व्यक्ति थे, अब इतनी खूबसूरत पेंसिलें बनाई जाती हैं कि बच्चे उन्हें लेने के लिए उठ खड़े होते हैं, अब पेंसिल पर सुस्कुराते और खेलते हुए सुंदर बच्चों की तस्वीरें हैं, बाछ में पक्षियों और जानवरों के चित्र भी हैं, वे इतने रंगीन हैं कि उन्हें हाथ में लिए बिना आराम नहीं किया जा सकता है,

जंगल में एक गधा चर रहा था, जंगल के किनारे पर उसके मालिक हरिया कार का घर था, वह प्रतिदिन जंगल में आकर और घास खाकर बहुत आनंद लेती था, उसे वहां कभी कोई बतरा महसूस नहीं हुआ, लेकिन एक दिन अचानक उसे पास की झाड़ियों में सरसराहट सुनाई दी, उसने सिर उठाया और देखा कि उसका जीवन सुखी है, उनके सामने एक बाघ खड़ा था जो झाड़ियों से निकाल रहा था, गधे ने सोचा कि आज उसे मार दिया गया है, लेकिन पुरुषों की संगति में रहकर वह भी बहुत चालाक हो गया था, उसने डरना बंद कर दिया और लंगाड़ाकर चलने लगा।

मनुष्य का अपने कर्म पर अधिकार है, उसे कर्म के अनुसार फल मिलता है। अच्छे कर्म करने से भी अच्छा फल मिलता है। बुरे कर्मों का परिणाम बुरा ही होता है। कार्य करना बीच बोने के समान हैं, जैसे बीज होते हैं, वैसे ही वृक्ष और फल ।

समाप्त

Dt. _____
Pg. _____

लेखन प्रतियोगिता

2023 - 24

II

नाम - सौरव काली

कक्षा - ३ अ' ७

विषय - हिन्दी

टिक्कांक - ०६ | जून | २३

सदस्य - नन्दा काट

Signature

द्वितीय चरण

सुन्दर लेखन - ०२ / १½

MOM!

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी

जाती है, लगभग छह सौ साल पहले जर्मनी में ग्रेफाइट चट्टानें मिली थीं। यदि उनमें से कोई भी दुकड़ा कागज या पत्थर पर लिखा होता, तो निशान या धारियाँ बन जातीं, करीब 150 साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रेफाइट की एक चट्टान मिली, सबसे पहले चरवाहों को उनके बारे में पता - चला, वे ग्रेफाइट चट्टान का एक दुकड़ा लेकर अपनी झेड़ों को चिह्नित करते थे, इससे उन झेड़ों की अलग से पहचान की गई, फ्रांस के

WOW!



Page No.

सुलोह पठियागिता

नाम - तनुजा भट्टू

सदन - पंचाचूली

कक्षा - ५ ब'वा

III

विषय - हि-दी



दिनांक - १६।२३

~~सुलोह~~

सुलोह लेखन - ०२

०२

अच्छा कार्य



पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है, लगभग छह सौ साल पहले जर्मनी में ग्रेफाइट चट्टानें मिली थीं, यदि उनमें से कोई भी टुकड़ा कागज या पत्थर पर लिखा होता, तो निशान या ध्याइयों बन जाती, करीब १५० साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रेफाइट की एक चट्टान मिली, सबसे पहले चरवाहों को उनके बारे में पता चला, वे ग्रेफाइट चट्टान का एक टुकड़ा लेकर अपनी झोड़ों को चिन्हित करते थे, इससे उन झोड़ों की अलग से पहचान की गई, फ्रास के निकालस जेटकाटे और ऑस्ट्रेलिया के जौसेफ हड्डर मुश्त पेंसिल बनाने में सफल होने वाले पहले व्यक्ति थे, अब इतनी खूबसूर - त पेंसिलें बनाई जाती हैं कि बच्चे उन्हें लेने के लिए उठ खड़े होते हैं, अब पेंसिल पर मुस्कुराते और खेलते हुए सुंदर बच्चों की तस्वीरें हैं, कुछ में पक्षियों और जानवरों के चित्र भी हैं, वे इतने रंगीन हैं कि उन्हें दृश्य में लिए बिना आराम नहीं किया जा सकता है,

जंगल में एक गधा चर रहा था, जंगल के किनारे पर उसके मालिक हरिया काघड़ था, वह प्रतिदिन जंगल में आकर और धास खाकर बहुत आनंद लेता था, उसे वहाँ कभी कोई खतरा महसूस नहीं हुआ, लेकिन एक दिन अचानक उसे पास की झाड़ियों में सरसराहट सुनाई दी, उसने सिर

उठाया और देखा कि उसका जीवन चुस्ती है,
उनके सामने एक बाघ खड़ा था जो झाड़ियों से निक
ल रहा था, गधे ने सोचा कि आज उसे मार दिया
गया है, लेकिन पुरुषों की संगति में रहकर वह भी
बहुत चालाक हो गया था, उसने इरना बंद कर
दिया और लंगड़ाकर चलने लगा।

मनुष्य का अपने कर्म पर अधिकार है,
उसे कर्म के अनुसार फल मिलता है, अच्छे कर्म
करने से भी अच्छा फल मिलता है, बुरे कर्मों का
परिणाम बुरा ही होता है, कार्य करना बीज बोने के
समान है, जैसे बीज होते हैं वैसे ही वृक्ष और फल
भी होते हैं, एक कहावत है दृष्टि के धड़ के आम
कहाँ खाते हैं? इसलिए बड़े से बड़े अपराधी

समाप्त... 9

इ ह ह

उ उ उ , ।

है है . , ,

“ ” , , ,

, । /

09 JUNE 23

Page No : 81
Date :

ENGLISH WRITING COMPETITION 2023 - 24

II

NAME - HARSHITA PANT
CLASS - 5th 'A' L
ROLL.NO - 3
HOUSE - NADAKOT



PHRASE 2

1 1/2
02

8
09/06/23

Bears are found in Europe, Asia, Africa and America. They are massively built, with short tails and thick legs. Bears are not really carnivores. They eat almost anything, the chief exception in the polar bear, which in its natural state lives on fish and seals. However, in captivity, they seem to enjoy meat, vegetables, fruits, milk, rice and porridge. Bears are not quite as dangerous as people imagine them to be like most animals; they will do their best to avoid human beings. They have a special sense that is eyesight to see things.

The smile is the best tonic for our mind and body. It takes thirteen muscles to smile, but forty-three to be angry. So, it is easier to smile and difficult to be angry. To be cheerful we have to create positive thoughts. On the other hand, if we constantly think about negative things, we feel unhappy. So, the best way to avoid a negative idea is to replace it with a positive one. When we are relaxed in bed, we should practise putting some cheerful thoughts.

Once a cunning jackal jumped into a big tub of blue dye. "I am king," he said. All the animals, big and small, believed him and bowed before him.

The clever jackal smiled. Now he was the most powerful animal in the forest. He was proud to be a king.

Once, the jackal woke up in the middle of the night. The jackals in the forest were howling at the full moon in the sky. The blue jackal forgot he ~~was~~ was a king. He, too, began to howl. "Hu... aah! Hu... aah!" he cried. The animals ran out to see. "He is not a king. He is just a jackal!" they ~~said~~ shouted. They rushed to attack him "Stop, stop! I am sorry I tricked you. Please do not kill me!" said the blue jackal. The animals forgave him, but only after giving the jackal a good beating.

FINISH

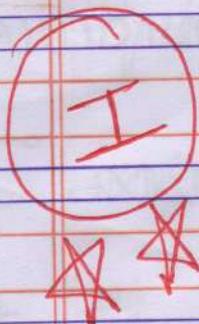


Page No. _____

Date _____

WRITING COMPETITION

2023-24



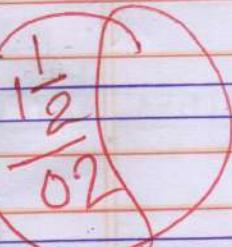
NAME - SAURAV KARKI

CLASS - 3'A'1

SUBJECT - ENGLISH

DATE - 09/JUNE/23

HOUSE - NANDAKOT



✓
09/06/23



Bears are found in Europe, Asia, Africa and America. They are massively built, with short tails and thick legs. Bears are not really carnivores. They eat almost anything, the chief exception being in the polar bear, which in its natural state lives on fish and seals. However, in captivity, they seem to enjoy meat, vegetables, fruits, milk, rice and porridge. Bears are not.



To be cheerful, we have to create positive thoughts. On the other hand, if we constantly think about negative things, we feel unhappy. So, the best way to avoid a negative idea is to replace it with a positive one. When we are relaxed in bed, we should practise putting some cheerful thoughts.

Once a ~~cunning~~ jackal jumped

WRITING COMPETITION

2023-24

II

NAME - VISHAKA AIRI

CLASS - 5TH A¹

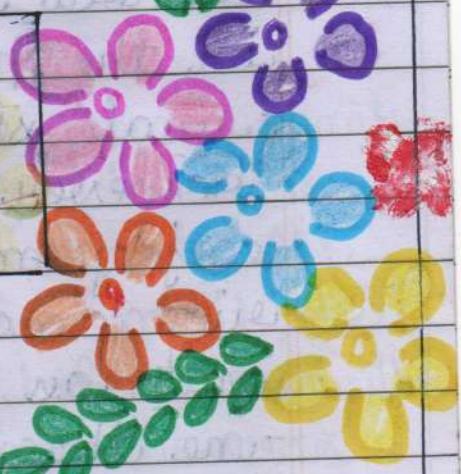
ROLL NO - 11 'Eleven'

HOUSE - PANCHAGHULT

PHASE - 2

1½
02

✓
09/06/23





Bear are found in Europe, Africa, Asia, Africa and America. They are massively built, with short tails and thick legs. Bears are not really carnivores. They eat almost anything, the chief exception is the polar bear, which in its natural state lives on fish and seals. However, in captivity, they seem to enjoy meat, vegetables, fruits, milk, rice and porridge. Bears are not quite as dangerous as people imagine them it is like most animals; they will do their best to avoid human beings. They have a special sense that is ~~eyesight~~ to see things.

The smile is the best tonic for our mind and body. It takes thirteen muscles to smile, but forty-three to be angry. So, it is easier to smile and difficult to be angry. To cheerful, we have to create positive thoughts. On the other hand, if we constantly think about negative



to attack him. "Stop; stop! I am sorry. I tricked you. Please do not kill me!" said the blue jackal. The animals forgave him, but only giving the jackal a good beating.

FINISHED...